आदर्श प्रश्न पत्रम् - 2016 संस्कृतम् **I** केन्द्रिकम् **I** SANSKRIT CORE

SAMPLE QUESTION PAPER

Std: XII समय : होरात्रयम्

पूर्णांक : 100

खण्ड : क (SECTION A) अपठितांश - अवबोधनम् अपठितांश - अवबोधन

UNSEEN READING COMPREHENSION

अधोलिखितं गद्योशं पिठत्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखतः 10 अंकाः निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिएः

Read the following passage and answer the given question in Sanskrit:

गद्यांश :

भारतस्य सर्वेषु अपि राज्येषु स्त्रीणां विषये क्रियमाणाः अत्याचाराः अनुदिनम् अनुक्षणम् एधमानाः दृश्यन्ते। कामान्धीकृतचेतसाम् भोगतृष्णाशमनाय वयोभेदं विना आबालवृद्धं नारीजनाः बलिपशवः इव भवन्ति। वेदकालात् आरभ्य भारतीय समाजे स्त्रीणाम् समुज्वलम् उन्नतंच स्थानम् आसीत्। ऋग्वेदादिषु सर्वेषु वेदेषु स्त्रीणां श्रेष्ठता बहुधा कीर्तिता दृश्यते। वेदेषु कुत्रापि स्त्री निन्दा न वर्तते। वेदेतु ऋषिका, ब्रह्मवादिनी, आचार्या उपाध्याया, यजमानपत्नी, योगिनी, यजमाना, गृहिणी इत्येवं विभिन्नैः पदैः स्त्री समुल्लिखिता दृश्यते। स्त्रीपुरुषयोः समानं स्थानमेव ऋषिभिः परिकल्पितम्। अर्धनारीश्वर संकल्पनम् एव तस्य प्रत्यक्षं प्रमाणम्।।

प्रश्ना :

अ एकपदेन उत्तरत एक शब्द में उत्तर दीजिए ।

 $1/2 \times 4 = 2$

Answer in one word:

- i) कर्योः समानं स्थानं ऋषिभिः परिकल्पितम्?
- ii) केषु स्त्रीनिन्दा न वर्तते?
- iii) कस्य राज्येषु स्त्रीणाम् अत्याचारः अनुदिनम् एधमानाः?
- iv) कुत्र स्त्रीणाम् उन्नतस्थानम् आसीत्?
- ब पूर्णवाक्येनीलरत।

 $1 \times 2 = 2$

पूर्णवाक्मे में उत्तर दीजिए।

Answer in a complete sentence:

- i) किमर्थं नारीजनाः बलिपशव इव भवन्ति?
- ii) कुत्र स्त्रीणां श्रेष्ठता कीर्तिता?
- स यथानिर्देशम् उत्तरता यथानिर्देश उत्तर दीजिए।

Answer as directed

 $1 \times 4 = 4$

- i) 'विभिन्नैः पदैः' अत्र विशेषणपदं किम्?
- ii) 'वर्धमानाः' इति पदस्य पययिः कः अत्र प्रयुक्तः?
- iii) 'परीक्षं' इति पदस्य विलोमपदं किम्?
- iv) 'आसीत्' क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?
- द अस्म अनुच्छेदस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं संस्कृतेन लिखत ।

2

खण्ड : ख (SECTION B) संस्कृतेन रचनात्मककार्यम् संस्कृत रचनात्मक कार्य

SANSKRIT WRITING SKILLS

भवतः नाम अजय अस्ति। विद्यालयस्य प्रतियोगितासु भवता अनेकानि पदकानि जितानि। अस्मिन् विषये दिल्लीनगरे निवसन्तं मित्रं माधवं प्रति लिखितम् पत्रम् मंजूषातःः पदानि चित्वा रिक्स्थानानि पूरयत। आप अजय है, आप अपने स्कूल के खेल दिन के बार में अपने दोस्त माधव के प्रति लिखे गए पत्र में मंजूषा के पदीं की सहायता रिक्तस्थान पूर्ति लिखिए ।

You are Ajay. You are writing a letter your friend Madhav about the Sportsday of your school. Fill in the blanks with the help of the words given.

| | 1 |
|--|----------------------------|
| | तिथिः |
| प्रिय मित्र 2 | |
| 3 नमस्ते। | |
| अत्र कुशलं नत्रास्तु। अहं विद्यालयस्य प्रतियोगितासु अतिव्यस्तः आ | सम्। अतः विलम्बेन पत्रं |
| लिखामि। क्षम्यताम्। त्वं जानासि एव यत् धावनखेलाः च महचम् अती | व 4। मया |
| अनेकासु प्रतियोगितासु भागः5। 100.मी धानवप्रतियोगिताय | गं मया रजतपदकं 400 |
| मी. प्रतियोगितायां च स्वर्णपदकं जितम् । 400 मी. धानवप्रतियोगित | ायां मया नवकीर्तिमानं |
| 6। इदानीम् प्रतियोगिताः तु समाप्ताः। आगामि मासे एव | 7 भविष्यति। |
| स्वाशिक्षकाणां ८ स्वपरिश्रमेण च अहं सर्वेषु विषयेषु प्रथमांकान् | प्राप्स्यामि। तव पितृभ्यां |
| मम9 निवेद्यते। | |
| | तव 10 |
| | अजय |
| | |

मंजूषा

प्रणामाः, आग्रानगरात्, स्थापितम्, अर्धवार्षिक - परीक्षा, रोचन्ते, माधव, गृहीतः सस्नेहं, मार्गदर्शनेन, अभिन्नमित्रम्।

3 मंजूषाप्रदत्तपदानां सहायतया अधोलिखितायां लघुकथायां रिक्तस्थानानि पूरियत्वा कथां पुनः लिखतः 1/2 x 10 = 5 मंजूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से निम्नलिखित लक्षुकथा में रिक्तस्थानों की पूर्ति कर कथा को पुनः लिखिएः Fill in the blanks in the following short story with the help of the words given in the box below and rewrite the same.

मंजूषा

लोकानाम्, भगवन्, स्वजीवनम्, मम अन्धकारे, अस्ताचलम्, जनानाम्, सविनयम्, जीवाः, विज्ञाय

4 मंजूषायां प्रदत्तपदानां साहाय्येन पंचसु संस्कृतवाक्येषु ''स्वच्छभारतम्' 5 इति विषये लिखत

मंजुषा में दिए गए पदों की सहायता से ''स्वच्छभारतम्'' विषय का वर्णन पाँच संस्कृत वाक्यों में With the help of the words given in the box below describe ''स्वच्छभारतम्'' in five sentenses in

Sanskrit.

मंजूषा

वीथिः, मार्गाः, स्वच्छम्, नगराणि, आपणानि, निजभवनम्, क्षालयति, मार्जयति, सेवाकार्यं, सामूहिकं

खण्ड: ग (SECTION - C)

अनुप्रयुक्तव्याकरणम्

अनुप्रयुक्तव्याकरण

Applied Grammar

३० अंकाः

5 अधोलिखितवाक्येषु रेखांकितपदानां सन्धिच्छेदं कुरुतः

निम्नलिखित वाक्यों मे रेखांकित पदों का सन्धि विच्छेद कीजिएः

Disjoin sandhis in the underlined words of the following sentences :

 $1 \times 6 = 6$

- i) <u>प्राग्वल्मीको</u>यदि भवेत्।
- ii तथैव नक्षत्रादयः
- ііі अस्त्यस्माकं गेहे
- iv <u>हितान</u>्न यः संश्रणुते।
- v <u>निर्वेरा</u> विमुखीभवन्ति।
- vi किं वाड्.मात्रेणापि
- 6 अधोलिखितवाक्येषु रेखांकितसमस्तपदानां विग्रहाः लेख्याः

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित समस्तपदों के विग्रह लिखिएः

Expound the underlined words of the following sentences

 $1 \times 6 = 6$

- i) <u>बहुमत्स्यो</u>ऽयं सरः
- ii <u>मत्स्यसंक्षयं</u> करिष्यन्ति।
- iii <u>सुधामुचः</u> वाचः ।
- iv <u>शीकविमोकः</u> कोकलोकस्य।
- v <u>महाकवीनां</u> सूक्तयः।
- vi <u>अहोरात्रं</u> आकण्ठमात्रम्।
- 7 अधोलिखितेषु कोष्ठकान्तर्गतप्रकृतिंप्रत्ययं च यीजयित्वा रिक्तस्थानानि पूश्यतः

निम्नलिखित वाक्यों में कोष्ठक के अन्तर्गत दो गई प्रकृति के साथ निर्दिष्ठ प्रत्यय को जोडकर रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिएः

Fill in the blanks in the following sentences by adding suffixes to the roots and words given in the brackets: $1 \times 8 = 8$

i कंचुकी ----- \mathbf{I} परि+क्रम्+ल्यप् \mathbf{I} आकांशं प्रति उद्घीक्ष्य वदित। ii ----- \mathbf{I} जृ + क्त \mathbf{I} भित्तयः

ііі दूरदृष्टिं विना ------ र सफल + तल र न लभ्यते।

iv इदानीं दुर्गसंस्कारः ------ 🕻 प्र + आ + रभ् + तव्यत् 🅻

v चिन्ताम् ------ 🕻 नट् + णिच् + शतृ 🕻 चाणक्यः प्रविशति।

vi नान्य तेषां ----- र्रागं + क्तिन्र भवेत्।

vii ----- र्रें रम् + अनीयर र्रें अयं दरिद्रभावः।

viii विमानम् ------ $extbf{I}$ अदृश्य + तल् $extbf{I}$ गच्छति।

अधोलिखितेषु वाक्येषु कर्तृक्रियापदयोः अन्वितिः क्रियताम्ः निम्नलिखित वाक्यों में कर्ता एवं क्रियापदों की अन्विति कीजिए

Write the suitable verbs according to the subject in the following sentences:

 $1 \times 5 =$

5

i) अयम् एव आहेरात्रं ------ 🕻 जनयसि। जनयति 🕻

ii यूयं किं -----? 🛚 व्रवीषि, व्रूथ 🛣

iii ----- अनाथोsपि वने विसर्जितः। ${f I}$ जीवति, जीवसि ${f I}$

iv अहं प्रक्षेपकेण -----। 🛚 दर्शयामि, दर्शयामः 🛣

v अन्यमन्यम् ------भवान्। **४** निमन्त्रय, निमन्त्रयतु**४** अथवा (OR)

अधोलिखितेषु वाक्येषु विशेष्यैः सह मंजूषायाः विशेषण पदानि योजयतः

निम्नलिखित वाक्यों में मंजूषा से विशेष्य के अनुसार विशेषण जोडिए :

Write the appropriate adjectives from the box with their qualiying nouns in the following sentences :

सत्येन पन्था विततो ------।
----- एषः कुलमूल श्रीरामचन्द्रस्य।
इतः शिष्यैः ----- दर्भाणां स्तूपः।
अशक्तैः ----- शत्रोः कर्तव्यं प्रपलायनम्।
उपत्यकायां चित्रे ----- या रेखाप्रतिभाति ।
मंजूषा

आनीतैः, अस्मिन्, देवयानः, धन्यः, बलिनः

अधोलिखितेषु वाक्येषु कोष्ठकपदैः सह उपयुक्तविभिक्तं प्रयुज्य रिक्तस्थानानि पूरयतः निम्नलिखित वाक्यों मे कीष्ठक में दिए शब्दों से उपयुक्त विभिक्त का प्रयोग कर रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill in the blanks using appropriate case - endings with the words given in the brackets in the following sentences :

 $1 \times 5 = 5$

i ------ 【िकम् 【 परितः पृथिवी नित्यं भ्रमित।
ii अतः ----- 【सुगांग प्रासाद 【 उपिर प्रदेशाः संक्रियन्ताम्।
iii कथं स्पर्धते ------ 【असमद् 【 सह राक्षसः ।
iv अलम् ------- 【विनय 【 ।
v अहं ------- 【 पर्वत 【 दूरम् आरोप्य पातितः अस्मि।

खण्ड : घ (SECTION - D)

भाग 1 PARTI

पठितांश - अवबोधनम् पठितांश - अवबोधन

Reading - Comprehension

३५ अंकाः

10 अधोलिखितं गद्यांशं, पद्यं, नाट्यांशं च पठित्वा तदाधारितान् प्रश्नान् संस्कृतेनोत्तरतः निम्नलिखित गद्यांश, पद्य एवं नाट्याश को पढकर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:

Read the following prose, poetry and drama passage and answer the questions based on them in Sanskrit:

क गद्यांश :

प्रश्ना :

शिक्षिका - मानवः स्वभावाद् एव उत्सवप्रियः। बौद्धानां 'गम्पा' नाम वार्षिकात्सवः शीते आयाति। लामायारु, फियांग, ताह्थोक आदीनि ग्रीष्मपर्वाणि भगवन्तं बुद्धं प्रति भक्तिभावं दश्यिन्ति। मठेषु उत्कीर्ण लेखा भित्तिलेखाश्च तिब्बत - शैल्याः परिचायकाः। कारगिले आक्रमणकारिणाम् अपसारणाय भारतीयैः वीरैः यत् प्रदर्शितम्, यूयं जानीथ एव। सः प्रदशः अत्रैव अस्ति। ट्रास, जान्सकारः, सुरुः - इति उपत्यकाभूमिषु शीते ऋतौ महान् हिमराशिः निपति। ग्रीष्मे समागते सः द्रवीभूय कृषकाणां भूमिसेचने भयिष्ठम् उपकरोति।

अ **र्ष** एकपदेन उत्तरत, एक पद में उत्तर दीजिए,

Answer in one word

- i बौद्धानां कः वार्षिकोत्सवः शीते आयाति
- ii ग्रीष्म पर्वाणि कं प्रति भक्तिभावं दर्शयन्ति?
- ब 🕻 पूर्णवाक्येन उत्तरत

पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए।

| | Answer in a complete sentence | | | | | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--|-----|-----|--|--|--|--|--|--|
| | कुत्र शीते ऋतौ महान् हिमराशिः निपतति? | | | | | | | | | |
| | स 🕻 | यथानिर्देशमुत्तरत | | | | | | | | |
| | | यथानिर्देश उत्तर दीजिए। | | | | | | | | |
| | | Answer as directed | | | | | | | | |
| | i | 'उत्कीर्णा लेखा' इत्यनयोः विशेषणपदं किम्? | 1/2 | | | | | | | |
| | ii | 'शत्रूणाम्' इत्सस्य किम् पययिपदमत्र प्रयुक्तम्? | | 1/2 | | | | | | |
| | iii | 'बह् + + इष्टम्' एतस्य उत्तरम् चित्वा लिखित | | 1 | | | | | | |
| | iv | 'अस्ति' इति क्रियापदसय कर्तृपदं किम्? | | 1 | | | | | | |
| ख | पद्यम् | | | | | | | | | |
| | अनन्त | गनन्तरत्नप्रगभवस्य यस्य, हिमं न सौभाग्यविलोपि जातम्। | | | | | | | | |
| | एको f | हे दोषो गुणसन्निपाते, निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवांकः ॥ | | | | | | | | |
| प्रश्नः | | | | | | | | | | |
| | अ🏅 | एकपदेनोत्तरत | | | | | | | | |
| | | एक शब्द में उत्तर दीजिए | | | | | | | | |
| | | Answer in one word : | | | | | | | | |
| | i | किं सौभाग्यविलोपि न जातम्? | | 1 | | | | | | |
| | ii | एको हि दोषः कुत्र? | | | | | | | | |
| | बार् | पूर्णवाक्येनोत्तरत | | | | | | | | |
| | | पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए | | | | | | | | |
| | | Answer in a complete sentence : | | | | | | | | |
| | | इन्दोः किरणेषु कः निमज्जति? | | | | | | | | |
| | स 🕻 | यथानिर्देशमुत्तरत | | | | | | | | |
| | | यथानिर्देश उत्तर दीजिए | | | | | | | | |

1

Answer as directed:

| i | एको हि दोषों इत्यनयोः विशेषणपदं किम्? | 1/2 |
|-----|--|-----|
| ii | 'रिंगः' इत्यस्य किं पदम् प्रयुक्तमत्र? | 1/2 |
| iii | 'चन्दस्य' इत्यस्य किं पर्यायपदमत्र प्रयुक्तम्? | 1 |
| iv | 'गुणः' इत्यस्य किं विलोमपदं प्रयुक्तम्? | 1 |

ग नाट्यांशः

कंचुकी देव कः अन्यः जीवितुकामो देवस्य शासनात् अतिवर्तेत?

5

राजा 🛚 🕻 नाट्येन उपविश्य 🕻 आर्य। आचार्य चाणक्यं द्रष्टुम् इच्छामि

कंचुकी यथा आज्ञपयति दवः। 🛚 इति निष्क्रान्तः 🖡

चाणक्यः र्आकाशे लक्ष्यं बध्वार्रे कथं स्पर्धते मया सह दुरात्मा राक्षसः?

राक्षस। राक्षस। विरम विरम अस्माद् दुर्व्यसनात्।

कंचुकी र्पिवश्य रिपरिक्रम्य अवलोक्य च रिपरिक्रम्य आवलोक्य च रिपरिक्रम्य आवलोक्य च

अहो राजाधिराज मन्त्रिणो विभूतिः। तथाहि गोमयानाम् उपलभेदकम्,

एतत् प्रस्तरखण्डम्, इतः शिष्यैः आनीतानां दर्भाणां स्तूपः, अत्र

शुष्यमाणैः समिद्भिः अतिनमितः छदिप्रान्तः जीर्णाः भित्तयः।

अ एकपदेन उत्तरत

एक शब्द में उत्तर दीजिए

Answer in one word

 $1/2 \times 2 = 1$

i चाण्क्येन सह कः स्पर्धते?

ii दभाणां स्तूपः कैः आनीतः?

ब पूर्णवाक्येनोत्तरत

पूर्णवाक्य में उत्तर दीजिए

Answer in a complete sentence

चाणक्यस्य गृहस्य वर्णनं कुरुत?

| | स | यथानिदेशमुत्तरत | | | | |
|-------|---------------------------------------|--|--------------|--|--|--|
| | | यथानिर्देश उत्तर दीजिए। | | | | |
| | | Answer as directed | | | | |
| | i | 'एतत् प्रस्तरखण्डम्' इत्यनयोः विशेष्यपदं किम्? | 1 | | | |
| | ii | 'आज्ञा' इत्यस्य किं पर्यायपदमत्र प्रयुक्तम्? | 1 | | | |
| | iii | 'जीर्णाः भित्तयः' इत्यस्य किं विशेषणपदं प्रयुक्तम्? | 1/2 | | | |
| | iv | 'इदम् आर्य चाणक्यस्य गृहम्' इत्यस्मिन् वाक्ये 'इदम्' इति | | | | |
| | | सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम्? | 1/2 | | | |
| 11 | 'यथागि | नेर्देश' प्रश्नद्वयम् उत्तरत 4 | : | | | |
| | यथानि | देश दोनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए। | | | | |
| | Answer both the questions as directed | | | | | |
| | i | 'भोः दारिद्रयम् खलु नाम मनस्विनः' इयं पंक्तिः केन कम् प्रति | कथिता? | | | |
| | ii | 'कृत प्रयत्नोsपि गृहे न जीवति' कस्मात् ग्रन्थात् संकालितमिदं | वाक्यं केन च | | | |
| लिखि | तं? | | | | | |
| 12 | अधोलि | ाखितस्य पद्यस्य प्रदत्तं भावार्थं मंजुषाप्रदत्तपदैः पूरयित्वा पुनः लिखतः | | | | |
| | निम्नि | लेखित पद्य के लिए दिए गए भावार्थ को मंजूषा में दिए गए पदों | से पूर्ण कर | | | |
| लिखिप | रृ: | | | | | |
| | Comple | ete the central idea of the given verse with the words given in the box | | | | |
| | and rev | and rewrite the same. $2 + 2 = 4$ | | | | |
| | अ | आर्य प्रसादत् अनुभूयते एव सर्वम् | | | | |
| | अ | आर्यस्त इस्तात् प्रसादम् गृहीत्वा सर्व विधं सुखम् अनुभूयते। | | | | |
| | आ | आर्यः चाणक्यः प्रासदे सर्व विधं सुखम् अनुभवति। | | | | |

आर्यस्य कृपा कारणात् सर्व विधानि सुखावनि सुलभानि सन्ति।

सत्वं च न परिभ्रष्टं यद् दरिद्रषु दुलभम्।

दरिद्रावस्थायाम् मनुष्यः भ्रष्टो भवति।

ब

अ

दरिदूंषु कोपि मानवः भ्रष्टो भवति। आ दरिद्रावस्थायाम् यस्य मनः नैव भ्रष्टजातम्, तत्तु दुर्लभम् एव। इ अधोलिखितस्य पद्यस्य प्रदत्तं भावार्थ मंजूषाप्रदत्तपदैः पूरियत्वा पुनः लिखतः निम्नलिखित पद्य के लिए दिए गए भावार्थ को मंजूषा में दिए गए पदों से पूर्ण कर लिखिए: Complete the central idea of the given verse with the words given in the box and rewrite the same : सत्यम् न मे धन विनाशगता विचिन्ता भाग्यक्रमेण हि धनानि पूनर्भवन्ति॥ भावार्थः चारुदत्तः मैत्रेयस्य वचनस्य खण्ड्नं कुर्वन् कथयति चेत् दानकर्माणि मम 1 ----- नष्टा अस्ति तर्हि अस्मिन् विषये मम 2 ----- न अस्ति यतः अहं जानामि यत् यदा मम 3 ----- परिवर्तनम् आगमिष्यति तदा 4----- पुनः आगमिष्यन्ति। भाग्यस्य स्वरूपम् एतादृशाः एव भवन्ति॥ मंजुषा संकोचम, सम्पत्तयः, धनाभावात, भाग्ये अधोलिखितश्लोकद्वयस्य प्रदत्तान्वये मंजूषातः पदैः रिक्तस्थानपूर्ति कृत्वा अन्वयं पुनः लिखतः निम्नलिखित दो श्लोकों के लिए दिए गए अन्वयों में मंजूषा के पदों से रिक्तस्थानों को अन्वय को पुनः लिखिए : पूर्ति कर The prose order renderings of the following two verses have been given below: Fill in the blanks from the words given in the box and rewrite the same : $1/2 \times 8 = 4$ अशक्तैर्बलिनः शत्रोः कर्तव्यम् प्रपलायनम्। आश्रितव्यों अथवादुर्गः नान्या तेषां अ गतिर्भवेत्।।

अन्वय - अशक्तैर्बलिनः शत्रोः 1 ----- कर्तव्यम् 2 ----- दुर्गः

आश्रितव्यः। तेषाम 3 ----- गतिः 4 ----- भवेत।

13

| | आ अद्धिः शुध्यन्ति गात्राणि, बुद्धिः ज्ञानेन शुध्यति। | | | | | | | |
|---------|--|-----------------------------------|------|-------------|--------|----------------|--------|----------------|
| | अहिंसया च भूतत्मा मनः सत्येन शुध्यति॥ | | | | | | | |
| | अन्वय : | | | | | | | |
| | | 1 अद्धिः शुध्यन्ति | 2 - | | ज्ञाने | न शुध्यति | | |
| | | 3 च अहिंसया | 4 - | | र | ात्येन शुध्यति | ते | |
| 14 | अधेलि | खतानां 'क' स्तम्भस्य वाक्यांशा | नां | 'ख' स्तम्भर | य वा | क्यांशैः सह | | |
| | सार्थकसम्मेलनं कृत्वा वाक्यानि पुनः लिखतः | | | | | | | |
| | निम्नि | ाखित 'क' स्तम्भ के वाक्यांशों | का | 'ख' स्तम्भ | के | वाक्याशों के | र्र सा | थ सार्थक मिलान |
| कर | | लिखिए : | | | | | | |
| | Match t | the following sentences of Colun | nn ' | क' with the | suita | ble sentence | s of | Column 'ख' and |
| rewrite | the sar | me: | | | | | | 4 |
| | | क | | | | ख | | |
| | 1 | 'अहो बहुमत्स्योयम् हृदः | | अ | उत्त | रं दक्षिणं च | अय | ानम्। |
| | 2 | सर्वभूतेषु चात्मानम् | | आ | न उ | त्सव कालः | I | |
| | 3 | एष एव अंगीकरोति | | इ | ततो | न विजुगुप्स | ाते। | |
| | 4 | सोयम् व्यायम कालो | | ई | कदा | पि अस्माभि | : अ | न्वेषितः |
| 15 | अधोलिखितेषु वाक्येषु रेखांकितशब्दानां प्रसंगानुसारं सार्थकम् अर्थ चित्वा लिखतः | | | | लिखतः | | | |
| | निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के प्रसंगानुसार सार्थक अर्थ चुनकर लिखिएः | | | | | | | |
| | Select and write the appropriate meanings of the underlined words in the following | | | | | | | |
| | sentences 4 | | | | | | 4 | |
| | 1 | सिंहासनम <u>अध्यास्ते वृ</u> षलः। | 1 | अधिपतति | 2 | आचरति | 3 | उपविशति। |
| | 2 | बहुंमत्स्योयम् <u>हृदः</u> । | 1 | हृदयम् | 2 | तटागः | 3 | कूपम् |
| | 3 | सौभाग्य <u>विलोपि</u> जतम्। | 1 | विनीतः | 2 | न्यूनता | 3 | विपत्तिः। |
| | 4 | चतुर्भि <u>कनकं</u> परीक्ष्यते। | 1 | सुवर्ण | 2 | स्वर्णम् | 3 | कांचना। |
| | | | | | | | | |

खण्ड : घ (SECTION - D)

भाग 2 PART II

सामान्यः संस्कृतसाहित्यपरिचयः सामान्य संस्कृत साहित्य परिचय

General Introduction to Sanskrit Literature

| | | | 10 अंकाः |
|----|---------|--|--------------|
| 16 | अधोर्ी | लिखतेषु कस्यापि एकस्य संक्षिप्तः परिचयः संस्कृतेन लेख्यः | 5 |
| | निम्न | लिखित में से किसी एक का संक्षिप्त परिचय संस्कृत में लिखिए : | |
| | Write | a brief note on any one of the following in Sanskrit : | |
| | 1 | भारविः २ कालिदासः 3 विशाखदत्तः | |
| | | अथवा | |
| | अधोर्ी | लिखितेषु मंजूषापदसहायतया रिक्तस्थानानि पूरियत्वा पुनः लिखतः | |
| | निम्न | लिखित में मंजूषा के पदों की सहायता से रिक्तस्थानों की पूर्ति कर | पुनः लिखिए : |
| | Fill in | the blanks in the following using the words from the box and rewrite the sar | ne. |
| | | | 1/2 x 10 = 5 |
| | 1 | आख्यायिका च गद्यकाव्यस्य प्रमुखं भेदद्वयम्। | |
| | 2 | पंच सन्धिसमन्वितं भवति। | |
| | 3 | प्रकरणम् एकः भेदः अस्ति। | |
| | 4 | महाभारते पर्वाणि सन्ति। | |
| | 5 | गद्य पद्यमयी रचना इति कथ्यते। | |
| | 6 | सर्व प्रथमः त्वक् प्रत्यारोपकः अस्ति। | |
| | 7 | ईशोपनिषद् चत्वारिशत्तमः अध्यायः अस्ति। | |
| | 8 | मुद्राराक्षसे अभावः वर्तते। | |
| | 9 | बुद्धचरितस्य रचयिता भवति। | |
| | 10 | पद्यकाव्यस्यभेदद्वयम् अस्ति महकाव्यम् च। | |

मंजूषा

अष्टादश, कथा, खण्डकाव्यम्, रूपकस्य, अश्वघोषः, सुश्रुतः, चम्पू, नाटकम्, विदूषकस्य, शुक्लयजुर्वेदस्य

ब पद्मकाव्यस्य काः अपि पंच विशेषताः संस्कृतेन लिखत। पद्मकाव्य की किन्हीं पाँच विशेषताओं को संस्कृत में लिखिए । Write any five characteristics of the Poetry literature in Sanskrit.

5